श्री शिव पंचाक्षरी मंत्रः (न्यास सहितं)

श्री शिव पंचाक्षरी मंत्रः

आचमनम् –
ॐ शंभवे स्वाहा |
ॐ शंकराय स्वाहा |
ॐ शांताय स्वाहा |
ॐ शाश्वताय नमः |
शिव, स्थाणो, भवानीपते, भूतेश, त्रिपुरांतक, त्रिनयन, श्रीकंठ, कालांतक, शर्व, उग्र, अभव, भर्ग, भीम, जगतां नाथ, अक्षय, श्रीनिधे, रुद्र, ईशान, महेश, महादेवाय नमः | |

विनियोगः –
अस्य श्री शिव पंचाक्षरी मंत्रस्य वामदेव ऋषि पंक्तिश्छंद ईशानो देवता, ॐ बीजं, नमः शक्तिः, शिवायेति कीलकं चतुर्विध पुरुषार्थ सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः |

ऋष्यादिन्यासः –
ॐ वामदेवर्षये नमः शिरसि |
पंक्ति छंदसे नमः मुखे |
ईशानदेवतायै नमः हृदये |
ॐ बीजाय नमः गुह्ये |
नमः शक्तये नमः पादयोः |
शिवायेति कीलकाय नमः नाभौ |
विनियोगाय नमः सर्वांगे |

करन्यासः –
ॐ ॐ अंगुष्ठाभ्यां नमः |
ॐ नं तर्जनीभ्यां नमः |
ॐ मं मध्यमाभ्यां नमः |
ॐ शिं अनामिकाभ्यां नमः |
ॐ वां कनिष्ठिकाभ्यां नमः |
ॐ यं करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः |

हृदयादिन्यासः –

ॐ ॐ हृदयाय नमः |

ॐ नं शिरसे स्वाहा |

ॐ मं शिखायै वषट् |

ॐ शिं कवचाय हुम् |

ॐ वां नेत्रत्रयाय वौषट् |

ॐ यं अस्त्राय फट् |

पंचमूर्ति न्यासः –

ॐ नं तत्पुरुषाय नमः तर्जन्याम् |

ॐ मं अघोराय नमः मध्यमायाम् |

ॐ शिं सद्योजाताय नमः कनिष्ठिकायाम् |

ॐ वां वामदेवाय नमः अनामिकायाम् |

ॐ ईशानाय नमः इत्यंगुष्ठयोः |

ॐ नं तत्पुरुषाय नमः मुखे |

ॐ मं अघोराय नमः हृदये |

ॐ शिं सद्योजाताय नमः पादयोः |

ॐ वां वामदेवाय नमः गुह्ये |

ॐ यं ईशानाय नमः मूर्ध्नि |

ध्यानम् –

ध्यायेन्नित्यं महेशं रजतगिरिनिभं चारुचंद्रावतंसं
रत्नाकल्पोज्ज्वलांगं परशुमृगवराभीतिहस्तं प्रसन्नम् |
पद्मासीनं समंतात् स्तुतममरगणैर्व्याघ्रकृत्तिं वसानं
विश्वाद्यं विश्ववंद्यं निखिलभयहरं पंचवक्त्रं त्रिनेत्रम् | |

मंत्रः –

ॐ नमः शिवाय |

हृदयादिन्यासः –

ॐ ॐ हृदयाय नमः |

ॐ नं शिरसे स्वाहा |

ॐ मं शिखायै वषट् |

ॐ शिं कवचाय हुम् |

ॐ वां नेत्रत्रयाय वौषट् |

ॐ यं अस्त्राय फट् |